-: २. आजादी का अमृत महोत्सव :-

आजादी की ७५वीं वर्षगांठ इस वर्ष २०२१ में पूर्ण हो रही है इस वर्ष को विशेष बनाने के लिए पूरे देश मे आजादी का अमृत महोत्सव के रूप में मनाया जा रहा है। 15 अगस्त 1947 को भारत आजाद हुआ तब से लेकर इस पावन घड़ी को हर साल ७५वें साल विशेष कार्यक्रम एवं आयोजन किया जाता है। आप को इस आजादी का अमृत महोत्सव की हार्दिक शुभकामनाएँ। स्वतंत्रता पाने की इच्छा एवं स्वतंत्र रहने की इच्छा प्राणियों का प्रकृति प्रदत्त गुण है। इसी भाव को व्यक्त करने वाली एक उक्ति संस्कृत में है-

"न हि शुकः स्वर्ण पंजरेबद्धः प्रसन्नो दृश्यते"।

अर्थात तोता सोने के पिंजरे में बंधा हुआ भी प्रसन्न नहीं दिखाई देता है। कई सौ वर्ष तक अंग्रेजों की दासता में जकड़ रहने के बाद भारतवासियों को 15 अगस्त 1947 को आजादी प्राप्त हो सकी। देशवासियों ने देश की आजादी दिलाने के लिए अनेकों वीरों ने अपने प्राणों की आहुति दी। देश के प्रथम प्रधानमंत्री पं. जवाहर लाल नेहरू ने 15 अगस्त 1947 को रात में स्वतंत्रता पाने की घोषणा की थी। हमारे देश को आजादी दिलाने में महात्मा गांधी, सुखदेव राजगुरु, सवरामती, इंदरा गांधी, सुभाष चंद्र बोस आदि अनेक वीरो ने देश की आजादी के लिए कुर्बानी दी। आजादी का महोत्सव किसी विशेष जाति धर्म अथवा राज्य के लिए नहीं वरना सम्पूर्ण भारत के लिए जरूरी है।

आजादी के अमृत महोत्सव को भारत के वर्तमान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 12 मार्च २०२१ महात्मा गांधी दांडी यात्रा शुरुआत दिवस से शुरु किया। केन्द्र सरकार ने इस महोत्सव को २०२३

तक बनाने का फैसला भी कर लिया है।
आजादी के अमृत महोत्सव के तहत इस पद यात्रा का नाम फ्रीडम मार्च होगा। फ्रीडम मार्च में 80 लोगों के नाम शामिल किए गए हैं। जो गांधी जी की दांडी यात्रा से इंस्पायर है। गांधी जी ने नमक कानून तोड़ने के लिए दांडी यात्रा की उसमें भी 80 लोगों ने ही भाग लिया था।

आजादी के अमृत महोत्सव के नेतृत्व नेता :-

विरिराज सिंह
विजय रूपाणी
देवू सिंह चौहान
अर्जुन सिंह चौहान

आजादी को पाने में इन लोगों का भी हाथ था पर हम लोगों ने इनका नाम कहीं नहीं पढा क्योंकि ये लोग मशहूर नहीं थे पर फिर भी इन्होंने भारत को आजादी दिलाने में सहयोग

देश के अमर जवान एवं देश की राष्ट्रवादीता को बनाये रखना ही हमारा लक्ष्य होना चाहिए।

" ये हमारा सौभाग्य है कि समय ने, देश ने, इस अमृत महोत्सव को साकार करने की जिम्मेदारी हम सबको दी है....

एक तरह से ये प्रयास है कि कैसे आजादी के साल को मनसे अमृत महोत्सव को मनाए"।

* * * * * ....

The Valunteer must write his/her details as below:-

1. Name of the NSS Volunteer ⇒ Gourav
2. Name of the Insitution ⇒ Govt. College Derabassi
3. Name of the University ⇒ Punjabi Universsity Patiala
4. District ⇒ S.A.S Nagar (Mohali)
5. State ⇒ Punjab
6. Mobile Number ⇒ 7837142004
7. Email ID ⇒ gk126927@gmail.com